ई-समाचार

अंक – 02 नवंबर- दिसंबर वर्ष - 2014

सतर्कता दिवस

मंचस्थ अतिथिगण एवं शपथ लेते स्टाफ सदस्य

संस्थान में दिनांक 27 अक्तूबर से 01 नवंबर 2014 तक सतर्कता दिवस का अनुपालन किया गया। इस वर्ष सतर्कता दिवस का विषय **"भ्रष्टाचार से मुकाबला : प्रौद्योगिकी एक संबल के रूप में"** था। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए संस्थान कार्यवाहक निदेशक प्रो.सुजीत रॉय ने अपने संबोधन में सभी कर्मचारियों को सच्ची निष्ठा के साथ कार्य करने हेतु अपील की। इसके साथ ही उन्होंने सभी स्टाफ सदस्यों को एकजुट होकर कार्य करने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने इस वर्ष के विषय की सराहना करते हुए प्रौद्योगिकी को आज के युग का सशक्त हथियार बताया और कहा कि प्रौद्योगिकी के प्रयोग से हम समाज में पारदर्शिता विकसित करने में सफल हो पाए हैं।

कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य सतर्कता अधिकारी डॉ. वी.आर.पेडीरेड्डी ने संस्थान के सभी सदस्यों को भ्रष्टाचार मुक्त वातावरण तैयार करने के साथ पूरी ईमानदारी और सच्ची निष्ठा से कार्य करने हेतु अपील की।

कार्यक्रम के अंत में संस्थान के तत्कालीन कुलसचिव डॉ. बी.के.राय ने उपस्थित सभी लोगों को हिंदी में शपथ दिलवाई।

व्यक्तित्व विकास पर कार्यशाला

कार्यशाला में उपस्थित छात्रगण **व्याख्यान देती डॉ.ए. शुक्ला**

संस्थान की छात्र परामर्शी सेवा की प्राध्यापक प्रभारी, डॉ. अस्मिता शुक्ला, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ ने दिनांक 29 अक्तूबर 2014 को को-अर्थ, पृथ्वी, महासागर एवं जलवायु विज्ञान विद्यापीठ के तत्वावधान में संस्थान के स्नातकोत्तर छात्रों के लिए "व्यक्तित्व विकास – अपने भीतर के अनोखे भाग का उपयोग- स्वयं" विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला संस्थान के स्नातकोत्तर छात्रों के लिए आयोजित की गई थी जिसका मुख्य उद्देश्य संस्थान छात्रों के भीतर एक नए व्यक्तित्व का विकास करना था जिसे हम आमतौर पर अपने जीवन में प्रयोग नहीं कर पाते हैं। कार्यशाला में प्रतिभागियों को मौखिक एवं गैर- मौखिक प्रक्रियाओं के साथ-साथ परिस्थिति के अनुसार अपनी भावभंगिमा को प्रदर्शित करने का भी प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला के दौरान एक चलचित्र भी प्रदर्शित किया गया और उपस्थित प्रतिभागियों को प्रतिक्रिया देने हेतु आमंत्रित किया गया जिससे वे प्रायोगिक तौर पर व्यक्तित्व विकास की भावना उत्पन्न कर सकें। कार्यशाला में कुल 25 छात्रों ने भाग लिया। कार्यशाला अपने उद्देश्य में सफल रहा और अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण प्रस्तुत किया गया।

राजभाषा एकक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर द्वारा प्रकाशित

मानसिक स्वस्थता पर परिचर्चा

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर की परामर्शी सेवा टीम ने दिनांक 07.11.2014 को डॉ. अस्मिता शुक्ला की अध्यक्षता में "मानसिक स्वस्थता" पर परिचर्चा का आयोजन किया। यह कार्यक्रम संस्थान के प्रथम वर्षीय बी.टेक छात्रों के लिए आयोजित की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य एक ऐसी मानसिकता को विकसित करना था जो हमारे नकारात्मक विचारों को सकारात्मक विचारों मे परिवर्तित कर सके। परिचर्चा के दौरान डॉ. शुक्ला ने मानसिक विकारों से पीड़ितों के प्रति हमारी नकारात्मक भावना को समाप्त करने पर अपने महत्वपूर्ण अनुभवों को सांझा। इस दौरान उन्होंने यह जानकारी भी दी कि जिस तरह कोई भी व्यक्ति शारीरिक पीड़ा से ग्रस्त होता है उसी प्रकार कोई भी व्यक्ति मानसिक रोग से भी पीड़ित हो सकता है। यह एक बीमारी है जिसके लिए हमें उन सभी पीड़ितो के प्रति अधिक संवेदनशील होने की आवश्यकता है। इस रोग से पीड़ित लोगों के प्रति हमें सकारात्मक दृष्टिकोण निर्मित करने की भी आवश्यकता है। इसके साथ ही उन्होंने व्याख्यान सत्र में निजी उदाहरणों को प्रस्तुत कर परिचर्चा को एक नया आयाम प्रदान किया। कार्यशाला में कुल 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम संस्थान के छात्रों के लिए ज्ञानवर्धक रहा। इस कार्यक्रम ने संस्थान छात्रों को नैतिक भावना की उत्पत्ति के लिए भी प्रेरित किया।

संस्थान की 8 वीं राकास बैठक संपन्न

दिनांक 28 अक्तूबर 2014 को संस्थान के कार्यवाहक निदेशक प्रो. सुजीत रॉय की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें राजभाषा के कार्यान्वयन से संबंधित महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक के दौरान संस्थान में राजभाषा के कार्यान्वयन में हो रही दिक्कतों एवं उसके समाधान पर महत्वपूर्ण चर्चा की गई। बैठक में राजभाषा एकक के पोर्टल के विकास पर भी चर्चा की गई जिसमें राजभाषा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियों प्रस्तुत की जाएंगी। इसके साथ ही टिप्पण की संख्याओं में वृद्धि करने हेतु टिप्पण मार्गदर्शिका नामक पुस्तिका के प्रकाशन पर भी विचार किया गया।

स्मार्ट ग्रिड प्रौद्योगिकी में वर्तमान विकास पर राष्ट्रीय कार्यशाला

संस्थान के विद्युत विज्ञान विद्यापीठ में दिनांक 08-09 नवंबर 2014 के दौरान "स्मार्ट ग्रिड प्रौद्योगिकी में वर्तमान विकास पर राष्ट्रीय कार्यशाला" का आयोजन किया गया। परंपरानुसार कार्यक्रम का शुभांरभ द्वीप प्रज्जवलन एवं अतिथियों के पुष्प गुच्छ के साथ हुआ।

कार्यक्रम के आयोजन का मुख्य उद्देश्य उपस्थित सभी प्रतिभागियों के बीच वर्तमान समय में स्मार्ट-ग्रिड प्रौद्योगिकी के विकास में हुई प्रगति पर ज्ञानवर्धन करना था। इसमें पावर नेटवर्क के प्रभावी एवं विश्वसनीय प्रचालन के लिए व्यापक क्षेत्र की निगरानी, संचार एवं केंद्र नियंत्रण केंद्र से लेकर विभिन्न प्रकार के मामले शामिल थे। कार्यशाला में स्मार्ट ग्रिड प्रौद्योगिकियों के वर्तमान विकास के प्रचार को लक्षित किया गया था। इस दौरान प्रयोगशाला में वास्तविक समय अनुकार के व्यवहारिक प्रयोग के साथ उच्च स्तरीय व्याख्यान का भी आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में देश के विभिन्न स्थानों से 83 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला में व्याख्याता के रूप में श्री हेमंत शर्मा, ओपीटीसीएल, प्रो. एस.श्रीवास्तव, भा.प्रौ.सं. कानपुर, डॉ.एस.आर.सामंतराय, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर, प्रो.ए.के.त्रिपाठी, एसआईटी भुवनेश्वर, प्रो.जी.पंडा, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर, प्रो. ए.के. प्रधान, भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, प्रो.पी.के. दाश, एसओए विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, डॉ. पी. बेरा, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर, प्रो.एस. मिश्रा, भा.प्रौ.सं. दिल्ली, डॉ. एन.सी.साहू आदि उपस्थित थे।

डॉ.राजन झा सम्मानित

संस्थान के आधारीय विज्ञान विद्यापीठ के सहायक प्राध्यापक डॉ. राजन झा को इंटरनेशनल कमीशन फॉर ऑप्टिक्स, यूएसए एवं इंटरनेशनल सेंटर फॉर थियोरेटिकल फिजिक्स ट्रिस्टे, इटली द्वारा "ऑप्टिक्स एवं फोटोनिक्स" पर उनके विशिष्ट योगदान हेतु "आईसीओ-आईसीटीपी गैलिएनो डिनार्डो पुरस्कार" हेतु चयनित किया गया।

ई-पत्रिका का लोकार्पण

संस्थान से जुड़ी गतिविधियों को राजभाषा में प्रकाशित करने हेतु ई-समाचार का प्रकाशन किया गया। सभी उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समक्ष संस्थान निदेशक प्रो. सुजीत रॉय ने पत्रिका का लोकार्पण किया। संस्थान निदेशक ने पत्रिका की सराहना करते हुए इसके सुखद भविष्य की कल्पना की। संस्थान निदेशक ने इस प्रयास हेतु प्रकाशक मंडल को विशेष धन्यवाद दिया।

शैक्षणिक गतिविधियाँ

1. प्रो.एन.पी.एच.पद्मानाभन, एमजीएम चेयर प्राध्यापक, खनिज़, धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी ने दिनांक 12-15 नवंबर 2014 के दौरान कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, पुणे में आयोजित राष्ट्रीय धातुकार्मिक दिवस- वार्षिक तकनीकी सत्र (एनएमडी-एटीएम 2014) में "एप्लिकेशंस ऑफ ऑयनिक लिक्विड्स इन द ग्रीन एक्सट्रेक्शन ऑऱ रअर अर्थ्स" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

2. डॉ. पार्थ सारथी दे, सहायक प्राध्यापक, खनिज़, धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी विद्यापीठ ने दिनांक 15 नवंबर को पुणे में आयोजित एनएमडी-एटीएम-2014 में "थर्मोमैकानिकल एंड माइक्रोस्ट्रक्चर इवोल्यूशन ड्यूरिंग हॉट-रॉलिंग" तथा दिनांक 17 नवंबर 2014 को भा.प्रौ.सं. मुम्बई में "एल्लॉय डिजाइन फॉर फ्रिक्शन स्टीर वेल्डिंग" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

3. डॉ. मनोरंजन सत्पथी, सह प्राध्यापक, विद्युत विज्ञान विद्यापीठ ने दिनांक 16-17 नवंबर 2014 के दौरान ब्रिमिंन्घम, यू.के. में आयोजित एडवांस इन कंप्यूटिंग एंड इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में " मॉडलिंग ऑफ साइबर फिज़िकल सिस्टम यूजिंग एएडीएल एंड इवेंट-बी" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

4. डॉ. एम. सब्रीमलाई मणिकंदन, सहायक प्राध्यापक, विद्युत विज्ञान विद्यापीठ ने दिनांक 24 एवं 25 नवंबर 2014 को नई दिल्ली में आयोजित इंडिया-रिपब्लिक ऑफ कोरिया ज्वाइंट एप्लाइड आर एवं डी प्रोग्राम : प्रोजेक्ट इवैल्यूशन कमिटि में परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

5. डॉ. श्यामल चटर्जी, सहायक प्राध्यापक, आधारीय विज्ञान विद्यापीठ ने दिनांक 04-06 दिसंबर 2014 के दौरान कोलकाता में आयोजित इमर्जिंग मैटेरियल्स: कैरेक्टराइजेशन एंड एप्लिकेशंस (ईएमसीए-2014) पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "ऑयन इंड्यूस्ड मॉडिफिकेशंस ऑफ नेनो स्ट्रक्चर्ड मेटल ऑक्साइड्स टू एन्हेंस डिवाइस परफार्मेंस" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

6. प्रो. ऊमा चरण मोहांती, अभ्यागत प्राध्यापक, पृथ्वी, महासागर एवं जलवायु विज्ञान विद्यापीठ ने दिनांक 04-11 दिसंबर के दौरान वर्ल्ड मिटिरियोलॉजिकल आर्गेनाइजेशन (डब्ल्यूएमओ) जेजु, रिपब्लिक ऑफ कोरिया में आयोजित 8वाँ ट्रॉपिकल साइक्लोन पर डब्ल्यूएमओ अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला एवं ट्रॉपिकल साइक्लोन लैंडफाल प्रोसेस (आईडब्ल्यूटीसीएलपी-III) पर आयोजित तीसरी अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में "अनसर्टेनिटी इन रैनफॉल प्रिडिक्शन ऑफ लैंड-फॉलिंग ट्रॉपिकल साइक्लोन्स ओवर इंडिया : इम्पैक्ट ऑफ डाटा एस्सिमिलेशन" पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

7. डॉ. अनिमेष मंडल, सहायक प्राध्यापक, खनिज़, धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी विद्यापीठ ने एसआरएम विश्वविद्यालय, चेन्नै में दिनांक 06-07 दिसंबर 2014 के दौरान एडवांस इन लाईट मैटल्स एंड इट्स कम्पोजिट्स सम्मेलन में आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया।

8. प्रो.पी.आर.पेदिरेड्डी, प्राध्यापक, आधारीय विज्ञान विद्यापीठ ने भा.वि.सं. बेंगलूर में दिनांक 07-10 दिसंबर के दौरान क्रिस्टल इंजीनियरिंग पर चीन-भारत-सिंगापुर (सीआईएस) में आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया।

9. डॉ. देबाशीष बसु, सहायक प्राध्यापक, आधारिक संरचना विद्यापीठ ने दिनांक 07-12 दिसंबर 2014 के दौरान नगोया विश्वविद्यालय, जापान में आयोजित ट्रांसपोर्ट प्लानिंग एंड ट्राफिक इंजीनियरिंग पर अंतरराष्ट्रीय डॉक्टरल संगोष्ठी में " ट्रेवल पैटर्न एंड ट्रिप लेंथ फ्रिक्वेंसी डिस्ट्रीब्यूशन ऑफ बस यूज़र्स इन मिड-साइज़्ड अर्बन एरिया" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

10. डॉ. पार्थ प्रतिम दे, सहायक प्राध्यापक, आधारिक संरचना विद्यापीठ ने भा.प्रौ.सं. मुम्बई में दिनांक 10-12 दिसंबर 2014 के दौरान ट्रांसपोर्टेशन, प्लानिंग एवं इम्पलिमेंटेशन मैथेडोलॉजिस फॉर डेव्लेपिंग पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मॉडलिंग द क्रिटिकल पोजिशन ऑफ यू-टर्निंग वेहिकल्स एट अनकंट्रोल्ड मिडियन ओपेनिंग्स ऑन 6 लेन डिवाइडेड अर्बन रोड्स" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

11. डॉ. दुखबंधु साहू, सहायक प्राध्यापक, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ ने एनआईटी, राउरकेला में दिनांक 12-13 दिसंबर 2014 के दौरान बिजनेस पैराडिज़िम इन इमर्जिंग मार्केट (आईसीबीपीईएम) पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "कॉरपरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) एंड चेलेंजेश ऑफ ग्लोबलाइजेशन" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

12. डॉ राजन झा, सहायक प्राध्यापक, आधारीय विज्ञान विद्यापीठ ने भा.प्रौ.सं. खड़गपुर में दिनांक 13-16 दिसंबर 2014 के दौरान फाइबर ऑप्टिक्स एवं फोटोनिक्स पर आयोजित 12 वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "फोटोनिक क्रिस्टल फाइबर बेस्ड इंटरफेरोमेटरिक सेंसर विथ मैक्रो बेंडिंग" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

13. डॉ. योगेश जी. भुमकर, सहायक प्राध्यापक, यांत्रिकी विज्ञान विद्यापीठ ने दिनांक 15-18 दिसंबर 2014 के दौरान गोवा में आयोजित एडवांस इन कंप्यूटेशन, मॉडलिंगं एंड कंट्रोल ऑफ ट्रांजिशनल फ्लोस पर आईयूटीए सिम्पोज़ियम में "बाइपास ट्रांजिशनल फ्लो पास्ट एन एरोफोइल विथ विथआउट सर्फेस रफनेशश एलिमेंट्स" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

14. डॉ. अनासुया रायचौधरी, सहायक प्राध्यापक, आधारीय विज्ञान विद्यापीठ ने केआईआईटी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में दिनांक 17-21 दिसंबर 2014 के दौरान आयोजित 83 वीं सोसायटी ऑफ बायोलॉजिकल कैमिस्ट, भारत (एसबीसीआई) की बैठक में "AAA+ATपासेस, कंजर्व्ड मैकानिज़म डाइवर्स फंक्शन : किर्काडिन क्लॉक प्रोटिन एंड युकारयोटिक पेरऑक्सिन एस द केस स्टडी पर पेपर प्रस्तुत किया।

15. डॉ सस्मिता बारिक, सहायक प्राध्यापक, आधारीय विज्ञान विद्यापीठ ने बेंगलूर में दिनांक 17-21 दिसंबर 2014 के दौरान आयोजित लाइनर अल्जेब्रा एंड इट्स एप्लिकेशंस (आईसीएलएए-2014) अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "अल्जेब्रिक कनेक्टिविटी एंड द कैरेक्टरिस्टिक सेट ऑफ प्रोडक्ट ग्राफ्स" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

16. डॉ. कौशिक दास, सहायक प्राध्यापक, खनिज़, धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी विद्यापीठ ने दिनांक 18-20 दिसंबर 2014 के दौरान भा.प्रौ.सं. मद्रास में आयोजित मेम्स एंड सेंसर्स पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

17. डॉ. सत्विदानंद रथ, सहायक प्राध्यापक, आधारीय विज्ञान विद्यापीठ ने दिनांक 19-21 दिसंबर 2014 के दौरान कोट्टायम, केरल में नैनोस्ट्रक्चर्ड मैटिरियल्स एंड नैनोकम्पोजिट्स पर आयोजित द्वितीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "एक्साइटन कप्लिंग इन क्लस्टर ऐसेम्बल्ड गोल्ड नैनोपार्टिकल्स" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

18. डॉ. वी.पांडुरांगा, सहायक प्राध्यापक, यांत्रिकी अभियांत्रिकी विद्यापीठ ने दिनांक 30-31 दिसंबर 2014 के दौरान बैंकॉक, थाइलैंड में प्रोडक्शन एंड मैकानिकल इंजीनियरिंग (आईसीपीएमई-2014) पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "ऑब्स्टेकल क्रॉसिंग गैट जनेरेशन ऑफ ए टू-लैग्ड रॉबट यूजिंग डिफरेंशियल इवोल्यूशन ट्रेंड न्यूरल नेटवर्क्स विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

19. डॉ. मिहिर कुमार दास, सहायक प्राध्यापक, यांत्रिकी अभियांत्रिकी विद्यापीठ ने दिनांक 30-31 दिसंबर 2014 के
के दौरान बैंकॉक, थाइलैंड में प्रोडक्शन एंड मैकानिकल इंजीनियरिंग (आईसीपीएमई-2014) पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "डेव्लेप्मेंट ऑफ जनरलाइज्ड एएनएफआईएस मॉडल फॉर फ्लो बोइलिंग ऑफ रेफरिजेरेंट्स ऑन प्लेन ट्यूब बंडल्स" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

बाल दिवस कार्यक्रम

14 नवंबर 2014 बाल दिवस के अवसर पर सामाजिक सांस्कृतिक उत्सव अल्मा फिस्टा एवं संस्थान छात्रों की सामाजिक कल्याण सोसायटी "सोल फॉर सोलेस" ने संयुक्त रूप से भुवनेश्वर स्थित कारागार में बच्चों की देखभाल के लिए बनाए गए आवास पर कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का शुभांरभ अल्मा फिस्टा के मुख्य

समन्वयक श्री आदित्य तेलांग एवं प्राध्यापक प्रभारी, अल्मा फिस्टा डॉ. शंकरसन मोहपात्रा के संबोधन से हुआ। कार्यक्रम में छात्रों ने हिंदी और ओड़िया गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किया।

हिंदी कार्यशाला

दिनांक 16-17 दिसंबर 2014 के दौरान संस्थान के वर्चुअल पठन कक्ष में "हिंदी का प्रगामी प्रयोग एवं उसका कार्यान्वयन" पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम का प्रारंभ करते हुए श्री नितिन जैन ने उपस्थित सभी कर्मचारियों का कार्यशाला में स्वागत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री देबराज रथ, कार्यवाहक कुलसचिव ने सभी कर्मचारियों को हिंदी के प्रति अपने दायित्वों को समझते हुए दैनिक कामकाज़ों में इसके प्रयोग को बढ़ाने हेतु अपील की। इसके साथ ही डॉ.एस.एच.फारुक़, प्राध्यापक प्रभारी, राजभाषा ने राजभाषा एकक द्वारा किए जा रहे कार्यों को ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए उपस्थित सभी कर्मचारियों को हिंदी के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दोहराया और साथ ही सभी उपस्थित कर्मचारियों को उनके दैनिक कार्यों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने हेतु अपील की। कार्यशाला की सफलता की कामना के साथ उन्होंने सभी कर्मचारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस दो दिवसीय कार्यशाला के दौरान श्री जैन ने प्रतिभागियों को धारा 3(3), नियम 1976, हिंदी शिक्षण योजना की जानकारी, प्रारूप एवं टिप्पण लेखन, हिंदी से संबंधित विभिन्न प्रोत्साहन की जानकारी आदि विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यशाला में कुल 11 कर्मचारियों ने भाग लिया और कार्यशाला अपने उद्देश्य में सफल रही।

साहित्य स्तंभ

एक स्कूल टीचर के घर में पैदा हुए अटल बिहारी वाजपेयी के लिए शुरुआती सफ़र ज़रा भी आसान न था। 25 दिसंबर 1924 को ग्वालियर के एक निम्न मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मे वाजपेयी की प्रारंभिक शिक्षा-दीक्षा ग्वालियर के विक्टोरिया

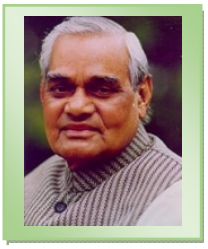

(अब लक्ष्मीबाई) कॉलेज और कानपुर के डीएवी कॉलेज में हुई। उन्होंने राजनीतिक विज्ञान में स्नातकोत्तर किया और पत्रकारिता में अपना करियर शुरु किया। वर्ष 1957 में वे पहली बार भारतीय संसद में चुने गए। वर्ष 1998 से 2004 तक वे भारत के प्रधानमंत्री थे। वे जीवनभर भारतीय राजनीति में सक्रिय रहते हुये भी अपनी रचनात्मकता के लिये पहचाने जाते रहे । वे एक कुशल राजनीतिज्ञ होने के साथ-साथ एक प्रबुद्ध कवि भी हैं । उनके जन्म दिवस के उपलक्ष्य पर उनकी श्रेष्ठ रचना "भारत जमीन का टुकड़ा नहीं" निम्न प्रस्तुत है -

भारत जमीन का टुकड़ा नहीं,
जीता जागता राष्ट्रपुरुष है।
हिमालय मस्तक है, कश्मीर किरीट है,
पंजाब और बंगाल दो विशाल कंधे हैं।
पूर्वी और पश्चिमी घाट दो विशाल जंघायें हैं।
कन्याकुमारी इसके चरण हैं, सागर इसके पग पखारता है।
यह चन्दन की भूमि है, अभिनन्दन की भूमि है,
यह तर्पण की भूमि है, यह अर्पण की भूमि है।
इसका कंकर-कंकर शंकर है,
इसका बिन्दु-बिन्दु गंगाजल है।
हम जियेंगे तो इसके लिये
मरेंगे तो इसके लिये।

साभार : कविता कोश

संपादक मंडल

मार्गदर्शक

डॉ.एस.एच.फारुक़, प्राध्यापक प्रभारी (राजभाषा)

सलाहकार

डॉ.ए.के.सिंह, सहा. प्राध्यापक, एसबीएस
डॉ.आर.झा, सहा. प्राध्यापक, एसबीएस
डॉ.आर.के. सिंह, सहा. प्राध्यापक, एसईओसीएस

संपादक

श्री नितिन जैन, कनिष्ठ हिंदी अनुवादक